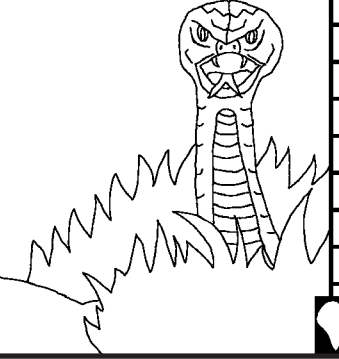


# मनुष्य की उदासी की शुरुआत



का द्वारा रचति: Edward Hughes  
का द्वारा निर्देशति: Byron Unger; Lazarus  
Alastair Paterson

का द्वारा अनुवाद: www.christian-translation.com  
का द्वारा अपनाई: M. Maillot; Tammy S.

2 से 60 तक की कहानी

**M1914.org**

**Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada**

अनुज्ञापत्र: जब तक तू इनी बेचो, तारे इस कहानी के कॉपी या प्रटिकरने को अधिकार है।

भगवान जाने से कि हमने बुरे काम करि है,  
जिने व पाप बोले। पाप का सजा मौत स।

भगवान हमार से बहुत प्यार करे उन्न अपना बेटा, यीशु के एक  
क्रोस प मरने और हमारे दंड का भुगतान करने क लिए भेजओ।  
यीशु जीवित आयो और स्वर्ग वापस चल गयो अब भगवान हमारा  
पाप को माफ कर सकता है।

अगर तुम तारा पापा न कम करनो चाहो हो , तो भगवान से य  
बोलो: प्रिय भगवान, म्हारो मान्नुओ कि यीशु मार लिये मरा है  
और अब वि फिर से जिंदा स। कृपया मारा जिवन मे आओ और  
मारा पाप की क्षमा करो, जिसे मेँ अब नयो जीवन जी सकूँ, और  
फिर हमेशा का लिए तार साथ रु। अपना बच्चा का रूप मे तार लिये  
जिने मे मारी मदद करो। तथास्तु। जॉन 3:16

बाइबल पढो और हर दिन भगवान सू बात करो!

Gujri

भगवान ने सब कुछ बनायो! जब  
भगवान ने पेले आदमी, अडम के  
बनायो, तो उकि पत्नी ओ का साथ  
अदन का बाग में रहतो सो।



व भगवान की बात मानके पूरी तरह  
खुश सा और एक दिन तक उनकी  
उपस्थिति को आनंद लइ रा सा।



19

20

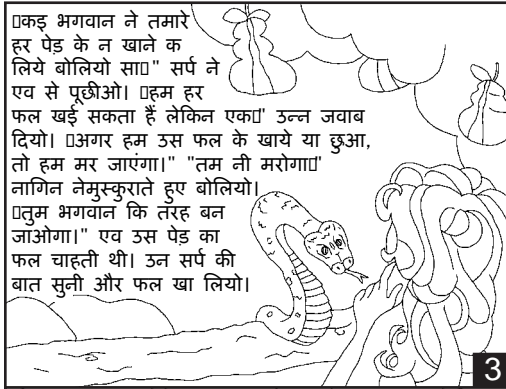
21

22

23

1

2



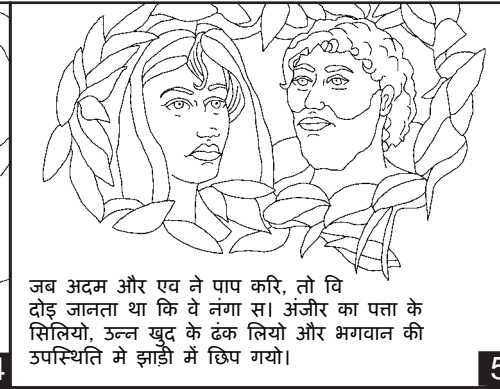
एकड़ भगवान ने तमारे हर पेड़ के न खाने क लिये बोलियो सा। सर्प ने एव से पूछीओ। एहम हर फल खई सकता हँ लेकिन एक। उन्न जवाब दियो। अगर हम उस फल के खाये या छुआ, तो हम मर जाएंगा। "तम नी मरोगा। नागिन नेमुस्कराते हुए बोलियो। एतुम भगवान कि तरह बन जाओगा।" एव उस पेड़ का फल चाहती थी। उन सर्प की बात सुनी और फल खा लियो।

3



एव ने ईश्वर की अवज्ञा का बाद उन्न अडम के फल खाने क लिए प्रेरित करि। अडम के केनो चिये सो, एन। मैं परमेश्वर का वचन की अवज्ञा न करूंगा।

4



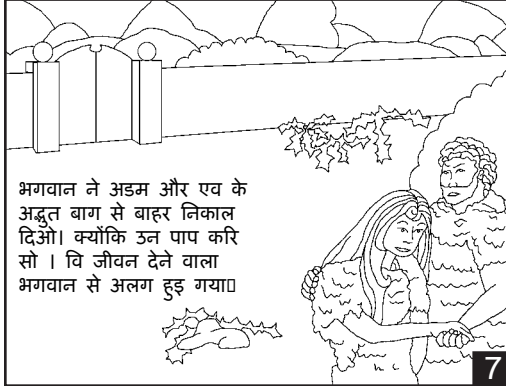
जब अदम और एव ने पाप करि, तो वि दौड़ जानता था कि वे नंगा सा। अंजीर का पत्ता के सिलियो, उन्न खुद के ढंक लियो और भगवान की उपस्थिति में झाड़ी में छिप गयो।

5



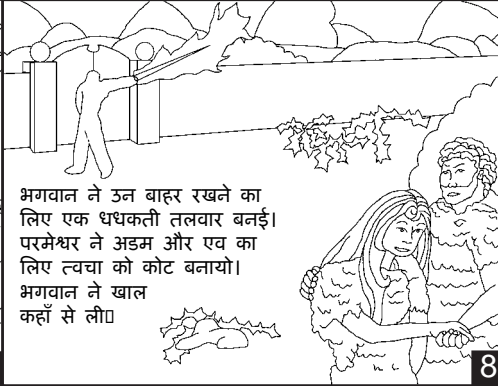
शाम की सर्दी में भगवान बगीचे में आयो। व जानता था कि अदम और एव ने के करियो है। एडम ने ईव के दोषी ठहरादी। एव ने सर्प के दोषी ठहरायो। भगवान ने। बोलिओ, एसाप शापित है। जब बच्चा पैदा होवेला तो ओरत के दर्द होयेला। "अडम, क्योंकि तने पाप करियो है, पृथ्वी कांटा और कठ से शापित हुइ गया सा। तम तारा दैनिक भोजन पावा क लिए शौचालय और पसीनो बहाओगा।

6



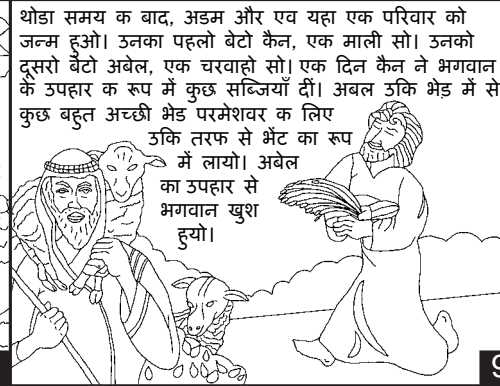
भगवान ने अडम और एव के अद्भुत बाग से बाहर निकाल दिओ। क्योंकि उन पाप करि सो। वि जीवन देने वाला भगवान से अलग हुइ गया।

7



भगवान ने उन बाहर रखने का लिए एक धधकती तलवार बनई। परमेश्वर ने अडम और एव का लिए त्वचा को कोट बनायो। भगवान ने खाल कहाँ से ली।

8



थोडा समय क बाद, अडम और एव यहा एक परिवार को जन्म हुओ। उनका पहलो बेटो केन, एक माली सो। उनको दूसरो बेटो अबेल, एक चरवाहो सो। एक दिन केन ने भगवान के उपहार क रूप में कुछ सच्चियाँ दीं। अबल उकि भेड में से कुछ बहुत अच्छी भेड परमेश्वर क लिए उकि तरफ से भेंट का रूप में लायो। अबेल का उपहार से भगवान खुश हुयो।

9



केन का उपहार से भगवान खुश न सो। केन के बहुत गुस्सो आयो। लेकिन भगवान ने बोलियो, अगर तू जो सहि है उ कर, तू कइ तम स्वीकार न किया जाओला।

10



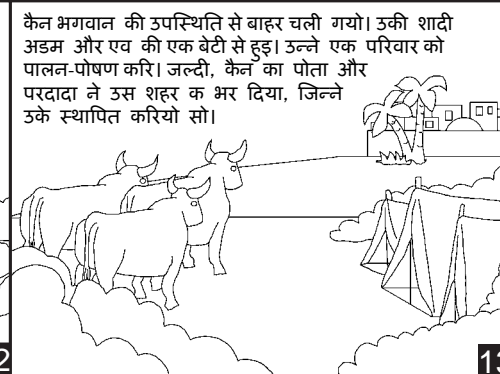
केन को गुस्सो दुर न हुओ कुछ समय बाद मैदान में उन अबेल पे हम्मलो करियो और उन मार डालि।

11



भगवान ने केन से बात करी। एतरो भई अबेल कहा है। "महाने नि मालुम।" केन झूठ बोलि। एकड़ मे म्हरा भइ को रखवालो सु। परमेश्वर ने केन कि उकी खेती करने की क्षमता के छीन के उके पथिक बनइ दिओ।

12



केन भगवान की उपस्थिति से बाहर चली गयो। उकी शादी अडम और एव की एक बेटो से हुइ। उन्ने एक परिवार को पालन-पोषण करि। जल्दी, केन का पोता और परदादा ने उस शहर क भर दिया, जिन्ने उके स्थापित करियो सो।

13



उक बाद, एडम और ईव को परिवार जल्दी से बढ गयो। उस समय, लोग आज की तुलना में बहुत लम्बा समय तक जिव सा।

14



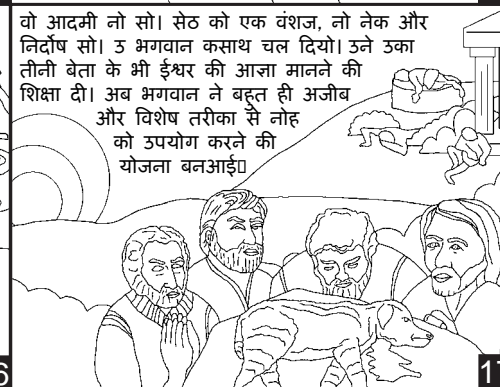
जब उका बेटा सेठ को जनम हुओ, तो एव ने बोलि, ईश्वर ने म्हरा एबेल के बदलवा क लिए सेठ दियो। सेठ एक धर्मी व्यक्ति सो जो 912 साल तक जिदो सो और उका कई बच्चा सा।

15



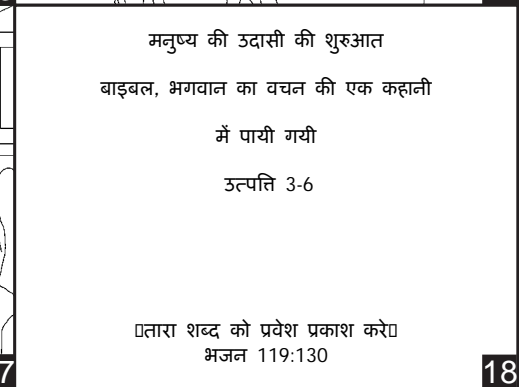
दुनिया में, लोग पीढी दर पीढी लोग दुष्ट से दुष्ट बनता गया। आखिर में, भगवान ने मानव जाति के नष्ट करवा को फैसलो लियो और। सभी जानवर और पक्षी। भगवान के खेद सो कि उन इंसान के बनायो। लेकिन एक आदमी ने भगवान के खुश करियो।

16



वो आदमी नो सो। सेठ को एक वंशज, नो नेक और निर्दोष सो। उ भगवान कसाथ चल दियो। उने उका तीनी बेटा के भी ईश्वर की आज्ञा मानने की शिक्षा दी। अब भगवान ने बहुत ही अजीब और विशेष तरीका से नोह को उपयोग करने की योजना बनआई।

17



मनुष्य की उदासी की शुरुआत  
बाइबल, भगवान का वचन की एक कहानी  
में पायी गयी  
उत्पत्ति 3-6

18